रो रो कहे ध्रुव महाराज

रो रो कहे ध्रुव से लाल मैया मैं मौसी ने मारो,
मैया मैं मौसी ने मारो मैया मैं मौसी ने मारो,
रो रो कहे.....

हम खेल रहे दोनों भैया वहां बैठी छोटी मैया,
पिता ने गोद लिए बैठार मैया मैं मौसी ने मारो,
रो रो कहे.....

मौसी ने धक्का दीनों, ना तरस पिता ने कीनों,
उत्तम गोद लिए बैठार मैया मैं मौसी ने मारो,
रो रो कहे.....

मैया हम तो वन को जामें ना लौट के घर को आमें,
वन में करें तपस्या जाए मैया मैं मौसी ने मारो,
रो रो कहे.....

मत फिकर मात की करना ना पीछे मुड़ कर देखना,
रक्षा करें हरि जी आय मैया मैं मौसी ने मारो,
रो रो कहे.....

समझाएं रही महतारी मत रोवे कुमर हजारी,
दर्शन देंगे श्री भगवान मैया मैं मौसी ने मारो,
रो रो कहे.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27011/title/ro-ro-kahe-dhruv-maharaj

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |